AMAR UJALA MY CITY Page 3 & 5

संस्कृत समग्र ज्ञान का भंडार : निशंक

लखनऊ। संस्कृत न केवल एक भाषा है बल्कि समग्र ज्ञान का भंडार है। यह ज्ञान का भंडार खोलने के लिए एक साधन भी है। ये बातें मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कही। वह बृहस्पतिवार लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग की ओर से 'संस्कृत वाङ्मय में वैज्ञानिक तत्व' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। अध्यक्षता कर रहे लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि संस्कृत वाङ्मय में गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन विज्ञान, जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं आयुर्विज्ञान का भी उल्लेख है। शिल्पकार्न यूनिवर्सिटी, बैंकॉक के संस्कृत विभाग के प्रो. नरसिंह चरणा पंडा ने संस्कृत वाङ्मय में सृष्टि विज्ञान से स्वास्थ्य विज्ञान तक की पुष्टि करके संस्कृत वाङ्मय में विद्यमान ज्ञान विज्ञान को आज के समय में व्यवहारिक तथा प्रासंगिक बताया। संगोष्ठी के आयोजक पद्मश्री प्रो. बृजेश कुमार शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी को कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विवि के पूर्व कुलपति प्रो. सर्वनारायण झा, रांची विवि के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. चंद्रकांत शुक्ला, प्रो. गंगाधर पंडा कुलपति कोल्हान यूनिवर्सिटी झारखंड एवं शिल्पकार्न यूनिवर्सिटी के संस्कृत अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. सोम्बत मांगमी सूखश्री, प्रो. चन्द्रकान्त शुक्ला ने संबोधित किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र एवं संयोजक डॉ. अशोक कुमार ने किया।

लॉ में पीएचडी का ऑनलाइन वाइवा

लखनऊ। लविवि के विधि विभाग का पहला ऑनलाइन पीएचडी वाइवा आयोजित हुआ। डॉ. सतीश चंद्र पांडेय के निर्देशन में मनका मिनी वर्मा ने अपना शोध कार्य पूरा किया है। वाइवा में प्रो. सीपी सिंह, डॉ. विनीता काचर, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, चंद्र सेन प्रताप सिंह आदि उपस्थित थे।

लविवि : पीजी में शुरू होंगे कई डिप्लोमा कोर्स

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कला संकाय द्वारा परास्नातक स्तर पर 10 विभागों में डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। फैकल्टी बोर्ड की बैठक में बृहस्पतिवार को इस पर सहमति बनी। अब इसे एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा जाएगा। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद नए सत्र 2020-21 में इनमें प्रवेश होंगे। ये पीजी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स समाज शास्त्र विभाग, अंग्रेजी विभाग, मनोविज्ञान विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ वुमेन स्टडीज, डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक, डॉ शेखर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी व इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म विभागों में प्रस्तावित हैं। इन विभागों के प्रस्ताव पर फैकल्टी बोर्ड ने विस्तार से चर्चा के बाद अपनी सहमति दी। इसके साथ ही फैकल्टी बोर्ड में पीजी कोर्से में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को लेकर नियम-कानून पर भी चर्चा की। इसको भी फैकल्टी बोर्ड की मंजूरी मिल गई है। इसमें परीक्षा कैसे होगी, कितने सेमेस्टर होंगे, एक सेमेस्टर में कितने कोर्से होंगे, कौन सा कोर्स कितने क्रेडिट का होगा आदि पर भी चर्चा के बाद एक आम सहमति बनी है। अब 22 जुलाई को विवि की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इन प्रस्तावों को रखा जाएगा।

I-NEXT Page 2

पीजी में सीबीसीएस को मंजूरी

LUCKNOW(16 July inext): एलयू में कला संकाय की फैकेल्टी बोर्ड की बैठक में पीजी कोर्स में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को लेकर आर्डिनेंस रखा गया था, जिसे गुरुवार को मंजूरी मिल गई. अब इस प्रस्ताव को एकेडमिक काउंसिल में रखा जाएगा.

कोर्सेस के प्रस्ताव भी बैठक में रखे गए थे जिन्हें पास कर दिया गया है. इसमें समाज शास्त्र विभाग, अंग्रेजी विभाग, मनोविज्ञान विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ वीमेन स्टडीज, डॉ. गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक, डॉ. शेखर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी व इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म शामिल हैं. अब 22 जुलाई को यूनिवर्सिटी में एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इन प्रस्तावों को रखा जाएगा.

22 जुलाई को होगी बैठक

एलयू के 10 विभागों में शुरू होने वाले पीजी डिप्लोमा व सर्टीफिकेट

संस्कृत भाषा को जनमानस तक पहुंचाएं : डॉ. रमेश पोखरियाल

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग में दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी हुई। इसमें मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. पोखरियाल ने आम भाषा में संस्कृत के वाक्यों को प्रयोग करने पर बल दिया।

साथ ही संस्कृत को जन तक पहुंचाने के लिए सरल उपायों पर चर्चा भी की। संगोष्ठी के आयोजक पद्मश्री बृजेश शुक्ला रहे और उद्घाटन वीसी प्रो.आलोक राय ने किया। वहीं, मुख्य वक्ता दरभंगा संस्कृति विभाग के पूर्व वीसी प्रो.नारायण झा, रांची विवि के प्रो.चंद्रकांत गुप्ता, प्रो.गंगाधर पंडा मौजूद रहे।

एलयू: पीजी कोर्सों में लागू सीबीसीएस का ऑर्डिनेंस पास

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी कोर्सों में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के ऑर्डिनेंस को मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को हुई कला संकाय की फैकेल्टी बोर्ड की बैठक में 10 विभागों में शुरू होने वाले पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सों के प्रस्ताव को भी पास कर दिया गया। अब इन प्रस्तावों पर फाइनल मुहर 22 जुलाई को होने वाली एलयू की अकैडमिक काउंसिल में लगेगी।

डॉ. नीरज जैन को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने किया सम्मानित

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. नीरज जैन को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स यूके ने युवा नेतृत्व के साथ शिक्षा में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया है। डॉ. नीरज जैन एक मात्र ऐसे छात्र नेता हैं, जिन्होंने एलयू से पढ़ाई की और छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रहे। इसके बाद एलयू में बतौर शिक्षक जुड़े और अब शिक्षक संघ के अध्यक्ष हैं।

डॉ. नीरज जैन को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का सर्टिफिकेट

LUCKNOW : एलयू के शिक्षक डॉ. नीरज जैन को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सर्टिफिकेट दिया है. यह सम्मान उन्हें शिक्षा क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए दिया गया है. गौरतलब है कि डॉ. नीरज जैन ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से ही पढ़ाई की है और वे छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं.

HINDUSTAN Page 7

कला संकाय पीजी में सीबीसीएस को मंजूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय में संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू किया जाएगा। इसके प्रस्ताव को गुरुवार को फैकल्टी बोर्ड की बैठक में मंजूरी दे दी गई। अब यह प्रस्ताव एकेडमिक काउंसिल के सामने रखा जाएगा।

बैठक में 10 विभागों में शुरू होने वाले पीजी डिप्लोमा व सार्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। ये पाठ्यक्रम समाज शास्त्र, अंग्रेजी, मनोविज्ञान विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ वुमेन स्टडीज, डॉ. गिरिलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, डॉ. शंकर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी व इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म शामिल होंगे।

गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में डॉ. नीरज जैन का नाम

उपलब्धि

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लविवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष व शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया है। उन्हें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की ओर से युवा नेतृत्व के साथ शिक्षा में विशेष योगदान दिए जाने के लिए यह प्रमाण पत्र दिया गया है। डॉ. नीरज लविवि के एकमात्र ऐसे पूर्वछात्र हैं, जिन्होंने यहां से पढ़ाई की, यहीं छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रहे, लविवि से बतौर शिक्षक जुड़े और अब शिक्षक संघ के अध्यक्ष हैं।उपलब्धि हासिल करने वाले वह लविवि के पहले शिक्षक हैं।

DAINIK JAGRAN Page 4

विद्यार्थियों को प्रोन्नत करने पर लविवि की अहम बैठक आज

85 हजार से अधिक को प्रोन्नत किए जाने पर लिया जाएगा निर्णय

जासं लखनऊ : शासन के निर्देश के बाद छात्र-छात्राओं को प्रोन्नत किए जाने को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में भी होमवर्क तेज कर दिया है।

विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य सेमेस्टर के करीब 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रोन्नत किए जाने पर निर्णय लिया जाएगा। जबकि अंतिम वर्ष के करीब 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों की परीक्षा कराए जाने की भी कार्य योजना तैयार की जाएगी। इस संबंध में कुलपति की अध्यक्षता में शुक्रवार को अहम बैठक होगी। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. माहरुख मिर्जा का कहना है कि विवि में करीब 2500 विद्यार्थी हैं इनमें से अंतिम वर्ष के करीब 500 से अधिक छात्र हैं जिनकी परीक्षा कराए जाने पर प्लान तैयार किया जाएगा। जबकि करीब दो हजार छात्रों को प्रमोट किया जाएगा।

सीबीसीएस सिस्टम को मिली सहमति

लविवि में कला संकाय की फैकेल्टी बोर्ड की बैठक में पीजी कोर्सेस में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम को लेकर आर्डिनेंस रखा गया। जिसे गुरुवार को स्वीकृत मिल गई है। अब इसे आगे एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा जाएगा। इस आर्डिनेंस में परीक्षा कैसे होगी, कितने सेमेस्टर होंगे, एक सेमेस्टर में कितने कोर्सेस होंगे, कौन सा कोर्स कितने क्रेडिट का होगा इस पर निर्णय होगा। बता दें कि लविवि के 10 विभागों में शुरू होने वाले पीजी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्सेस के प्रस्तावों को भी पास कर दिया गया है। इसमें समाज शास्त्र विभाग, अंग्रेजी विभाग, मनोविज्ञान विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ वुमेन स्टडीज, डॉ. गिरि लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक, डॉ. शेखर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी व इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म शामिल हैं। अब 22 जुलाई को विश्वविद्यालय में एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इन प्रस्तावों को रखा जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने पर इन कोर्स व पीजी के सीबीसीएस ऑर्डिनेंस को इस सत्र 2020-21 में लागू किया जाएगा।

पहली बार ऑनलाइन वायवा

लखनऊ: लविवि के विवि संकाय में गुरुवार को पहली बार ऑनलाइन वायवा कराया गया। रिसर्च गाइड डॉक्टर सतीश पांडे के निर्देशन में शोध छात्रा मनकामिनी वर्मा ने ऑनलाइन वायवा दिया। इस दौरान मुख्य रूप से डॉक्टर सतीश पांडे, संकाय प्रमुख प्रो सीपी सिंह, डॉ विनीता काचर, डॉ आशीष श्रीवास्तव डॉ चंद्र सेन प्रताप सिंह मौजूद रहे। (जासं)

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सम्मान से नवाजे गए डॉ. नीरज जैन

जासं,लखनऊ: लविवि के वरिष्ठ शिक्षक डॉ नीरज जैन को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सम्मान पत्र से नवाजा है। डॉ. नीरज जैन को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स यूके ने युवा नेतृत्व के साथ शिक्षा में विशेष योगदान के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है।

डॉ. नीरज जैन

यह विवि के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। बताया गया कि डॉ. नीरज जैन एक मात्र ऐसे छात्र नेता रहे हैं, जिन्होंने विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और यहां के छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रहे हैं। लविवि में शिक्षक बने और फिर अब यहीं शिक्षक संघ के अध्यक्ष हैं।

शून्य से अनंत तक की संख्या संस्कृत की देन

लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी में बोले वक्ता

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। ऑनलाइन वेबिनार में मानव संसाधन विकास मंत्री डॉक्टर रमेश पोखरियाल निशंक बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित वेबिनार में थाईलैंड स्थित शिल्पकान यूनिवर्सिटी, बैंकॉक के संस्कृत विभाग के विजिटिंग प्रो. डॉक्टर नरसिंह चरणा पंडा, कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सर्वनारायण झा, रांची विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर चंद्रकांत शुक्ला, प्रोफ़ेसर गंगाधर पंडा, कुलपति, कोल्हान यूनिवर्सिटी, झारखंड एवं शिल्पकार्न यूनिवर्सिटी के संस्कृत अध्ययन केंद्र के निर्देशक प्रोफेसर सोम्बत मांगमीसूख शामिल हुए। मुख्य अतिथि डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने संस्कृत वाङ्मय में विद्यमान अनेक तथ्यों को सर्व समाज के लिए सुलभ कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

LUCKNOW : शासन के निर्देश के बाद छात्र-छात्राओं को प्रोन्नत किए जाने को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में भी होमवर्क तेज कर दिया है. विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि अंतिम वर्ष को छोड़कर अन्य सेमेस्टर के करीब 85 ह ार से अधिक विद्यार्थियों को प्रोन्नत किए जाने पर निर्णय लिया जाएगा. जबकि अंतिम वर्ष के करीब 35 ह ार से अधिक विद्यार्थियों की परीक्षा कराए जाने की भी कार्य योजना तैयार की जाएगी. इस संबंध में कुलपति की अध्यक्षता में शुक्रवार को अहम बैठक होगी.

PIONEER Page 4

संस्कृत वांग्मय में विद्यमान वैज्ञानिक तत्वों को समाज के सामने लाने की जरूरत: निशंक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉक्टर रमेश पोखरियाल निशंक ने संस्कृत वाङ्मय में विद्यमान अनेक तथ्यों को सर्व समाज के लिए सुलभ कराने की आवश्यकता पर बल दिया। संस्कृत तथा विज्ञान के मध्य सामंजस्य हेतु अनेक योजनाओं का संकेत किया, जिनके माध्यम से संस्कृत वाङ्मय में विद्यमान वैज्ञानिक तत्वों को वैज्ञानिकों के सहयोग से समाज के सामने प्रमाणित करने की आवश्यकता बताई। निशंक गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे।

डॉ निशंक ने अपने सम्बोधन में कहा कि संस्कृत को सरल विधि से जन जन तक पहुंचाने तथा उसे ज्ञान विज्ञान का कोष होने की जानकारी समाज को देने की आवश्यकता है ऐसा उन्होंने बताया। संस्कृत न केवल एक भाषा के रूप में अपितु समग्र ज्ञान का भंडार को खोलने के लिए यह एक साधन है। भारत को आत्म निर्भर एवं प्रतिष्ठित करने के लिए संस्कृत की भूमिका महत्वपूर्ण है ऐसा उन्होंने बताया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से संस्कृत भाषा में किस प्रकार विज्ञान ग्रंथों को लिखा गया है। उसके विषय में सभा को अवगत कराया। उन्होंने संस्कृत वाङ्मय में गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन विज्ञान, जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं आयुर्विज्ञान का भी उल्लेख है ऐसा भी बताया। लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित एवं खगोल शास्त्र विभाग में गणित से संबंधित अनेक पांडुलिपियां विद्यमान हैं, जो की संस्कृत भाषा में उल्लिखित है। प्रोफेसर नरसिंह चरण पंडा ने अनेक उदाहरणों के माध्यम से बहुत ही द्रव्यों की वैज्ञानिक विवेचना करके संस्कृत वाङ्मय में सृष्टि विज्ञान से स्वास्थ्य विज्ञान तक की पुष्टि करके संस्कृत वाङ्मय में विद्यमान ज्ञान विज्ञान को आज के समय में व्यवहारिक तथा प्रासंगिक बताया। प्रोफेसर सर्वनारायण झा ने दशमलव से लेकर शून्य, एक से अर्बुदादि पर्यंत संख्याओं को अप्रत्यक्ष रूप से वेदों में परोक्ष बताकर यह सिद्ध किया कि गणित तथा विज्ञान के अनेक सिद्धांत प्राचीन शास्त्रों से विशेषज्ञों तक सीमित न होकर जनसामान्य तक पहुंचना चाहिए। प्रोफेसर चंद्रकांत शुक्ला ने विमान शास्त्र को दृष्टि में रखकर अनेक ऐतिहासिक प्रमाण प्रस्तुत किए। ऑनलाइन संगोष्ठी के संचालक डॉ प्रयाग नारायण मिश्र एवं संयोजक डॉ अशोक कुमार शतपथी रहे।

फैकल्टी बोर्ड ने लगाई पीजी कोर्सेस में सीबीसीएस पर मुहर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी कोर्सेस में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को लागू करने पर सहमति दे दी है। इस बाबत गुरुवार को सम्पन्न हुई कला संकाय की फैकल्टी बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव रखा गया था। अब इसे आगे एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा जाएगा। ऑर्डिनेंस में परीक्षा कैसे होगी, कितने सेमेस्टर होंगे, एक सेमेस्टर में कितने कोर्सेस होंगे, कौन सा कोर्स कितने क्रेडिट का होगा आदि बिन्दु तय किए गए हैं। बैठक में 10 विभागों में शुरू होने वाले पीजी डिप्लोमा व सर्टीफिकेट कोर्सेस के प्रस्ताव भी रखे गए थे जिन्हें पास कर दिया गया है। इसमें समाज शास्त्र विभाग, अंग्रेजी विभाग, मनोविज्ञान विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ वुमेन स्टडीज, डॉ गिरी लाल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एण्ड पब्लिक, डॉ शेखर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी व इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म शामिल हैं।

डॉ. नीरज जैन को मिला वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शारिरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक डॉ नीरज जैन को वर्ल्ड बुक ऑफरिकॉर्ड्स मिला है। डॉ नीरज जैन को यह उपलब्धि वर्ल्ड बुक ऑफरिकॉर्ड्स यूके ने युवा नेतृत्व के साथ शिक्षा में विशेष योगदान के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। डॉ नीरज जैन एक मात्र ऐसे छात्र नेता रहे हैं, जिन्होंने एलयू से पढ़ाई की। वे यहां छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रहे हैं। एलयू में बतौर शिक्षक जुड़े और अब शिक्षक संघ के अध्यक्ष हैं।